**Press coverage of the launch of Amity Quality Journal Checker – mobile application**

दैनिक भास्कर
आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार
ग्वालियर, रविवार, 12 फरवरी, 2023 04

## एमिटी ने बनाया जर्नल्स चेकर एप

**सिटी रिपोर्टर** • ग्वालियर। एमिटी यूनिवर्सिटी में जेंडर एंड पॉलिटिक्स इन मीडिया एंड लिटरेचर विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। डॉ. सुमित नरूला ने बताया कि क्वालिटेटिव रिसर्च एनालिसिस के लिए एमिटी क्वालिटी जर्नल्स चेकर एप बनाया है। यह मोबाइल एप है, जो क्लोन और फेक जर्नल्स के बीच का अंतर बताएगा। इस मौके पर विवि के प्रो-वीसी डॉ. एमपी कौशिक, सब्रगामुवा यूनिवर्सिटी श्रीलंका के प्रो. डॉ. जयंथा एन देवाश्री, आईआईटी पटना की डॉ. प्रियंका त्रिपाठी, एमराल्ड पब्लिशिंग की रिलेशनशिप मैनेजर संगीता मेनन और केआरजी की डॉ. चारु चित्रा ने अपने विचार व्यक्त किए।

सच कहने का साहस और सलीका
राज एक्सप्रेस
ग्वालियर
रविवार, 12 फरवरी 2023
■ ग्वालियर ■ भोपाल ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ रतलाम ■ रीवा ■ सतना ■ छिंदवाड़ा ■ उज्जैन ■ सागर
PAGE-6

## फेक जर्नल को तुरंत पकड़ लेगी मोबाइल एप्लीकेशन

**ग्वालियर ■ राज न्यूज नेटवर्क**

एमिटी यूनिवर्सिटी में मीडिया विभाग के निदेशक डॉ. सुमित नरूला ने एक ऐसे एप डवलप किया है, जिसके माध्यम से फेक जर्नल को तुरंत ही पकड़ लिया जाएगा। उन्होंने एमिटी स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन और एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज, एमिटी यूनिवर्सिटी द्वारा जेंडर एंड पॉलीटिक्स इन मीडिया एंड लिटरेचर पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में इसे लांच किया।

इस दौरान निदेशक डॉ. सुमित नरूला ने एमिटी क्वालिटी जर्नल चेकर पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि यह एक अत्याधुनिक मोबाइल एप्लिकेशन है, जिसका निर्माण क्लोन और फेक जनरल्स के बीच अंतर जानने के लिए किया गया है। यह एप्लिकेशन शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और छात्रों को शोध कार्य प्रकाशन के पूर्व जर्नल की प्रामाणिकता को सत्यापित करने का एक सरल और सुरक्षित तरीका है। इस एप्प में 250 जर्नल्स का डेटाबेस बनाया गया है। इस मौके पर वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉक्टर एमपी कौशिक ने लैंगिक समानता किसी भी राष्ट्र की सतत प्रगति के लिए एक आवश्यक है। विभिन्न क्षेत्रों में दोनों लिंगों की समान भागीदारी सुनिश्चित करके ही राष्ट्र के सर्वांगीण विकास का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

मीडिया में महिला पत्रकारों की दशा और मीडिया की प्रभावी भूमिका पर उन्होंने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर एमिटी विश्वविद्यालय के अध्यक्ष एवं चांसलर, असीम चौहान डॉ. प्रियंका त्रिपाठी, आईआईटी पटना ने भी संबोधित किया। उन्होंने सेरोगेसी और भारतीय समाज में महिलाओं दशा और लैंगिक असमानता पर विस्तार से विचार साझा किए। श्रीलंका से आए प्रोफेसर डॉ. डीएन जयंथा, सब्रगामुवा यूनिवर्सिटी ने श्रीलंका में महिलाओं के सर्वांगीण विकास में श्रीलंकन पार्लियामेंट की भूमिका के बारे में बताया। इस अवसर पर एमराल्ड पब्लिशिंग की रिलेशनशिप मैनेजर संगीता मेनन ने क्वालिटी जर्नल में रिसर्च वर्क को प्रकाशित करने और शोध की अखंडता को बनाए रखने में एमराल्ड पब्लिशिंग महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की रिपोर्ट निदेशक इति राय चौधरी ने प्रस्तुत की।

स्वदेश
ग्वालियर - मुख्य संस्करण
PAGE-4 11 Feb 2023

# एमिटी में जेंडर एंड पॉलिटिक्स इन मीडिया एंड लिटरेचर पर सम्मेलन आयोजित

ग्वालियर। लैंगिक समानता किसी भी राष्ट्र की सतत प्रगति के लिए एक आवश्यक तत्व है। विभिन्न क्षेत्रों में दोनों लिंगों की समान भागीदारी सुनिश्चित करके ही राष्ट्र के सर्वांगीण विकास का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। इसी उद्देश्य के साथ एमिटी इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज और एमिटी स्कूल ऑफ कम्युनिकेशन, एमिटी विश्वविद्यालय द्वारा जेंडर एंड पॉलिटिक्स इन मीडिया एंड लिटरेचर पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन के प्रथम सत्र को एमिटी विश्वविद्यालय में निदेशक डॉ. सुमित नरूला ने संबोधित करते हुए क्वालिटेटिव रिसर्च एनालिसिस पर नवीनतम जानकारी साझा की। इसी तरह डॉ. प्रियंका त्रिपाठी आईआईटी पटना सहित अन्य ने भी सॉफ्टवेयर की आवश्यता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर एमिटी के प्रो वाइस चांसलर प्रोफेसर डॉ. एमपी कौशिक, निदेशक डॉ. इतिराय चौधरी, रजिस्ट्रार राजेश जैन मुख्य रूप से उपस्थित रहे।